तत्तद् भूमिपतिः पत्न्यै दर्शयन्प्रियदर्शनः ।

अपि लंघितमध्वानं बुबुधे न बुधोपमः ।।47।।

अन्वय बुधोपमः प्रियदर्शनः भूमिपतिः पत्न्यै तत् तत् दर्शयन् लङ्घितमपि अध्वानं न बुबुधे।

अनुवाद पण्डितों के समान बुद्धिमान् अथवा चन्द्र के पुत्र बुध ग्रह जैसे (सौम्य) तथा देखने में सुन्दर राजा दिलीप अपनी पत्नी सुदक्षिणा को मार्ग के उन दृश्यों को दिखाते हुए यह न जान पाए कि कब रास्ता पूरा हो गया।

टिप्पणियां

पत्नयै ''क्रियार्थोपपदस्य च कर्मणि स्थानिनः'' से चतुर्थी विभक्ति । पत्नी को।

दर्शयन् दृश् धातु णिच् शतृ, दिखाता हुआ।

लंघितम् लंघ् क्त, पार किया गया, 'अध्वानं' का विशेषण जाना, ज्ञात हुआ।

बुबुधे बुध् लिट्, अन्य पुरुष एकवचन। जाना, ज्ञात हुआ।

बुधोपमः जो बुध जैसा है। बुध शब्द के अनेक अर्थ हैं-जैसे बुद्धिमान्, चतुर, विद्वान, देवता तथा बुध नामक ग्रह (जिसे चन्द्रमा का पुत्र माना जाता है)। इसकी व्युत्पत्ति दो प्रकार से सिद्ध हो सकती है.

1. बुधः उपमा (उपमानं) यस्य सः बुधोपमः -जो पण्डित के समान था।

2. बुधः (सोमस्य चन्द्रस्य पुत्रो बुधनामा ग्रहः) उपमा यस्य, जो बुध ग्रह के समान सौम्य था।